भारत सरकार
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1409
(दिनांक 07.12.2021 को उत्तर देने के लिए)

रेडियो स्टेशनों को बंद करना

1409. श्री तेजस्वी सूर्याः
डॉ. उमेश जी. जाधव:
श्री प्रताप सिम्हाः
श्री बी. वाई. राघवेन्द्रः
श्री वाई. देवेन्द्रप्पाः
श्री कराडी सनगन्ना अमरप्पा:
श्री अण्णासाहेव शंकर जोल्ले:

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आज की तिथि के अनुसार आकाशवाणी के तहत रेडियो स्टेशनों की राज्य-वार/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार कई रेडियो स्टेशनों/चैनलों के विलय या बंद करने की प्रक्रिया में है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और विलय किए गए रेडियो स्टेशनों/चैनलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा विलय किए गए रेडियो स्टेशन/चैनल में क्षेत्रीय/स्थानीय सामग्री का प्रसारण सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(घ) सरकार द्वारा प्रति वर्ष उपरोक्त प्रक्रिया के माध्यम से बचाया जाने वाला अनुमानित व्यय कितना है; और

(ङ) क्या आकाशवाणी ने बेंगलुरु में अमृतवर्षिणी एफ.एम. रेडियो चैनल को बंद कर दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा चैनल बंद होने के बाद स्थानीय कलाकारों की प्राथमिकता सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

उत्तर

सूचना और प्रसारण; और युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) प्रसार भारती के देशभर में 500 आकाशवाणी प्रसारण केन्द्र हैं। इन केंद्रों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है।

(ख) से (घ) जी, नहीं। प्रसार भारती भारत में कोई भी आकाशवाणी केन्द्र बंद नहीं कर रहा है। अप्रचलित एनालॉग ट्रांसमीटरों को वैकल्पिक ट्रांसमीटर प्रौद्योगिकियों जैसे डीटीएच और इंटरनेट स्ट्रीमिंग के माध्यम से एफएम, सेटेलाइट रेडियो उपलब्ध होने पर समय-समय पर हटाया जाता है।

इसके अलावा, समय-समय पर सामग्री सुधार किए जाते है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आकाशवाणी की राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय सेवाएं अल्प संसाधनों का इष्टतम लाभ उठाते हुए, तरह-तरह की सामग्री का प्रसारण करें जिससे स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर मिले और सामग्री के दोहराए बिना गुणवत्ता में सुधार हो।

इन सेवाओं का प्रचालन व्यय प्रसार भारती के आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आईईबीआर) के माध्यम से पूरा किया जाता है।

(ङ) जी, नहीं। प्रसार भारती ने बेंगलुरू में 100.1 मेगा हर्टज का आकाशवाणी एफएम रेडियो चैनल बंद नहीं किया है। बल्कि, इसके प्रसारण के समय को भारतीय शास्त्रीय संगीत को समर्पित चौबीसों घंटे चलने वाली रागम राष्ट्रीय रेडियो सेवा से कार्यक्रमों को शामिल करके लगभग 17 घंटे बढ़ाया गया है।

आकाशवाणी बेंगलुरू सहित कई आकाशवाणी केन्द्र चौबीसों घंटे चलने वाले रागम में प्रतिदिन कई घंटे की शास्त्रीय संगीत सामग्री चलाते हैं जिससे संबंधित शहरों/क्षेत्रों के कलाकारों को अवसर मिलते हैं।

अनुलग्नक

दिनांक 07.12.2021 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 1409 के भाग (के) के उत्तर में यथा उल्लिखित अनुलग्नक

आकाशवाणी प्रसारण केंद्रों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या

क्र.सं.	राज्य	कुल आकाशवाणी केंद्र
1.	आंध्र प्रदेश	14
2.	अरुणाचल प्रदेश	39
3.	असम	23
4.	बिहार	16
5.	छत्तीसगढ़	13
6.	गोवा	1
7.	गुजरात	17
8.	हरियाणा	5
9.	हिमाचल प्रदेश	16
10.	झारखंड	14
11.	कर्नाटक	20
12.	केरल	12
13.	मध्य प्रदेश	25
14.	महाराष्ट्र	30
15.	मणिपुर	9
16.	मेघालय	7
17.	मिज़ोरम	13
18.	नागालैंड	10
19.	ओडिशा	21
20.	पंजाब	8
21.	राजस्थान	26
22.	सिक्किम	16
23.	तमिलनाडु	15
24.	तेलंगाना	11
25.	त्रिपुरा	18
26.	उत्तर प्रदेश	29

27.	उत्तराखंड	22
28.	पश्चिम बंगाल	16
संघ राज्य क्षेत्र		
29.	संघ राज्य क्षेत्र (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह)	1
30.	संघ राज्य क्षेत्र (दिल्ली)	1
31.	संघ राज्य क्षेत्र (चंडीगढ़)	1
32.	संघ राज्य क्षेत्र (दादर, नागर हवेली, दमन और दीव)	3
33.	संघ राज्य क्षेत्र (लक्ष्यद्वीप एवं मिनीकॉय)	1
34.	संघ राज्य क्षेत्र (पुद्दुचेरी)	2
35.	संघ राज्य क्षेत्र (जम्मू और कश्मीर)	16
36.	संघ राज्य क्षेत्र (लद्दाख)	9
कुल		500